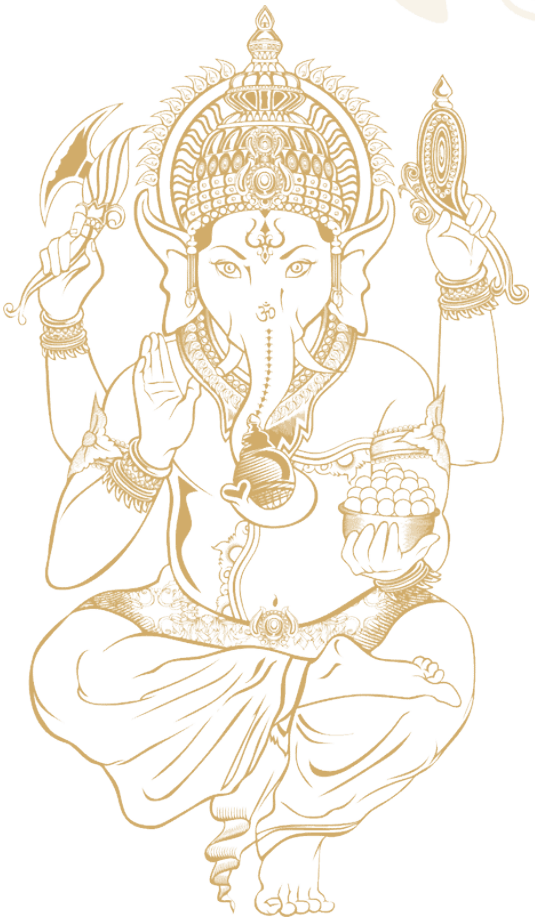

Yogesh Sharma

12 May 2009

01:44 PM

Aligarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 120899904

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**12/05/2009**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**13:44:00 घंटे**
इष्ट	20:34:05 घटी
स्थान	**Aligarh**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:54:00 उत्तर
रेखांश	78:04:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:26:16 घंटे
वेलान्तर	00:03:39 घंटे
साम्पातिक काल	04:47:12 घंटे
सूर्योदय	05:30:21 घंटे
सूर्यास्त	18:58:13 घंटे
दिनमान	13:27:52 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	27:45:05 मेष
लग्न के अंश	19:54:49 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	सिद्ध
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	यो-योगेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	19:54:49	318:01:11	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	---
सूर्य			मेष	27:45:05	00:57:55	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	उच्च राशि
चंद्र			धनु	03:33:40	11:57:28	मूल	2	19	गुरु	केतु	सूर्य	सम राशि
मंगल			मीन	21:13:28	00:45:49	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	मित्र राशि
बुध	व	अ	वृष	06:42:54	00:22:55	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
गुरु			कुंभ	01:14:36	00:06:06	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
शुक्र			मीन	14:48:55	00:41:14	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	उच्च राशि
शनि	व		सिंह	20:56:22	00:00:29	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
राहु	व		मक	08:41:00	00:06:15	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	08:41:00	00:06:15	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष			मीन	01:39:18	00:02:15	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
नेप			कुंभ	02:24:31	00:00:33	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	---
प्लूटो	व		धनु	08:57:34	00:01:03	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
दशम भाव			वृष	19:13:36	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:59:29

लग्न-चलित

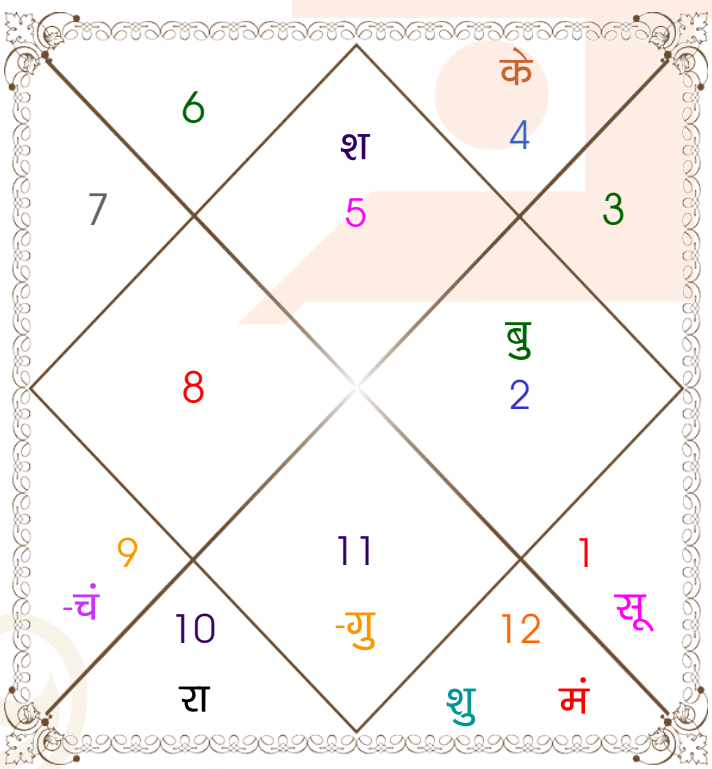

चन्द्र कुंडली

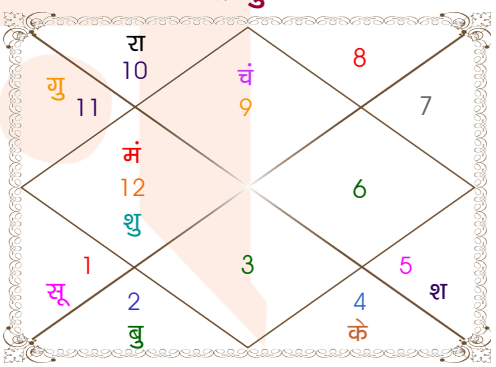

नवमांश कुंडली

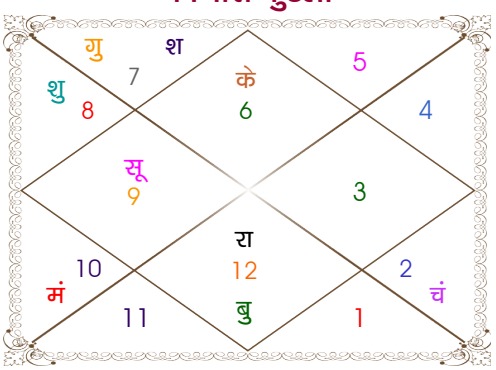

Shivshakti jotish sadan
Nakshtra darpan, Mata Wali Gali, Dadri, Uttar Pradesh 203207, India
8077312012,9412412012
acharyaji12012@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 1 मास 17 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
12/05/2009		29/06/2014		29/06/2034		28/06/2040		29/06/2050	
29/06/2014		29/06/2034		28/06/2040		29/06/2050		29/06/2057	
	00/00/0000	शुक्र	28/10/2017	सूर्य	17/10/2034	चंद्र	29/04/2041	मंगल	25/11/2050
	12/05/2009	सूर्य	29/10/2018	चंद्र	17/04/2035	मंगल	28/11/2041	राहु	14/12/2051
सूर्य	01/06/2009	चंद्र	28/06/2020	मंगल	23/08/2035	राहु	30/05/2043	गुरु	18/11/2052
चंद्र	31/12/2009	मंगल	29/08/2021	राहु	17/07/2036	गुरु	28/09/2044	शनि	28/12/2053
मंगल	30/05/2010	राहु	28/08/2024	गुरु	05/05/2037	शनि	29/04/2046	बुध	26/12/2054
राहु	17/06/2011	गुरु	29/04/2027	शनि	17/04/2038	बुध	29/09/2047	केतु	24/05/2055
गुरु	23/05/2012	शनि	29/06/2030	बुध	21/02/2039	केतु	29/04/2048	शुक्र	23/07/2056
शनि	02/07/2013	बुध	29/04/2033	केतु	29/06/2039	शुक्र	28/12/2049	सूर्य	28/11/2056
बुध	29/06/2014	केतु	29/06/2034	शुक्र	28/06/2040	सूर्य	29/06/2050	चंद्र	29/06/2057

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
29/06/2057		29/06/2075		29/06/2091		30/06/2110		30/06/2127	
29/06/2075		29/06/2091		30/06/2110		30/06/2127		00/00/0000	
राहु	11/03/2060	गुरु	16/08/2077	शनि	02/07/2094	बुध	26/11/2112	केतु	26/11/2127
गुरु	04/08/2062	शनि	28/02/2080	बुध	11/03/2097	केतु	23/11/2113	शुक्र	25/01/2129
शनि	10/06/2065	बुध	05/06/2082	केतु	20/04/2098	शुक्र	23/09/2116	सूर्य	13/05/2129
बुध	29/12/2067	केतु	11/05/2083	शुक्र	21/06/2101	सूर्य	30/07/2117		00/00/0000
केतु	15/01/2069	शुक्र	09/01/2086	सूर्य	03/06/2102	चंद्र	30/12/2118		00/00/0000
शुक्र	16/01/2072	सूर्य	29/10/2086	चंद्र	02/01/2104	मंगल	27/12/2119		00/00/0000
सूर्य	10/12/2072	चंद्र	28/02/2088	मंगल	10/02/2105	राहु	15/07/2122		00/00/0000
चंद्र	11/06/2074	मंगल	03/02/2089	राहु	18/12/2107	गुरु	20/10/2124		00/00/0000
मंगल	29/06/2075	राहु	29/06/2091	गुरु	30/06/2110	शनि	30/06/2127		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 1 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते है। उस प्रकार की दिक्कतें का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पति से युक्त कुशाग्र बुद्धि के विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगे। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगे। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगे। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाले, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाले, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगे। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने के इच्छुक रहेंगे तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगे।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगे। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगे। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगे।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगे-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगे। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगे। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपने भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगे। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर आपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकते हों।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रर्याप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगे कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य व्यक्ति की तरह भरण पोषण करते हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगे।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगे।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकता है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।